सर्वहारा दृष्टिकोण

सोशलिस्ट यूनिटी सेन्टर ऑफ इण्डिया (कम्युनिस्ट) का मुखपत्र (पाक्षिक)

वर्ष-29 अंक-12 22 जून से 6 जुलाई, 2014 मुख्य संपादक - कॉमरेड कृष्ण चक्रवर्ती मूल्य : 1 रुपये

'बदायूँ काण्ड' की जांच को प्रभावित करने का
एआईएमएसएस ने किया विरोध

12 जून को जारी एक बयान में कहा गया है कि एआईएमएसएस की अखिल भारतीय कमेटी उत्तर प्रदेश के डीजीपी ए एल बैनर्जी के कथित वक्तव्य पर गहरे दुख का इजहार करती है जिसमें कहा गया है कि हो सकता है बदायूँ केस हो सकता है कि ऑनर किलिंग का या सम्पत्ति विवाद का मामला हो। जबकि पूरे घटनाक्रम को उजागर करने के लिए अभी तक भी कोई त्वरित जांच नहीं की जा रही है। हालांकि देश भर में और खुद यू एन जनरल सैक्रेट्री द्वारा भी इस घटना की घोर निन्दा की गई है। पुलिस अधिकारियों का ऐसा एक बयान घटना की गम्भीरता को ही कम कर देगा। पुलिस अधिकारी के इस बयान की हम तीव्र निन्दा करते हैं।

यह भी बताया गया है कि लड़की के माता-पिता आशंकित हैं कि केस में निष्पक्षता नहीं बरती जा रही है और वे गांव को ही छोड़ देना चाहते हैं क्योंकि विभिन्न हल्कों से उन पर दबाव डाला जा रहा है।

एआईएमएसएस उत्तर प्रदेश सरकार से मांग करती है कि मां-बाप के हितों की रक्षा की जाए, जांच में तेजी लाई जाए और अपराधियों को सजा दी जाए।

बदायूँ में दुष्कर्म की शिकार हुई बहनों के शोक संतप्त परिवार से मिले
डीवाईओ के नेता

मुरादाबाद (उ.प्र.): 7 जून को ऑल इण्डिया डीवाई ओ का एक दस सदस्यीय प्रतिनिधि मण्डल संगठन के प्रदेश अध्यक्ष कॉ. हरकिशोर सिंह के नेतृत्व में बदायूँ के कटरा सहादतगंज पहुँचा जहाँ दो नाबालिग बालिकाओं को सामूहिक दुष्कर्म के बाद पेड़ से फांसी पर लटका दिया गया था। प्रतिनिधिमण्डल में संगठन के मुरादाबाद जिला सचिव कॉ. मौ. गौरी, कार्यकारिणी सदस्य सन्नो परवीन, शमा परवीन, श्याम सुन्दर, अविनाश सक्सैना, एआईडीएसओ से ऋतु चौधरी, कमलेश चहल, मुनीश चन्द्र त्यागी, लिपि सिंह, स्वीटी सक्सैना आदि शामिल थे।

प्रतिनिधिमण्डल ने बदायूँ काण्ड के पीड़ित परिवार से मुलाकात की। लगभग दो घण्टे चली मुलाकात में

(शेष पृष्ठ 2 पर)

एसयूसीआई(सी) की केन्द्रीय कमेटी के वरिष्ठ सदस्य
कॉमरेड याकूब पैलान लाल सलाम

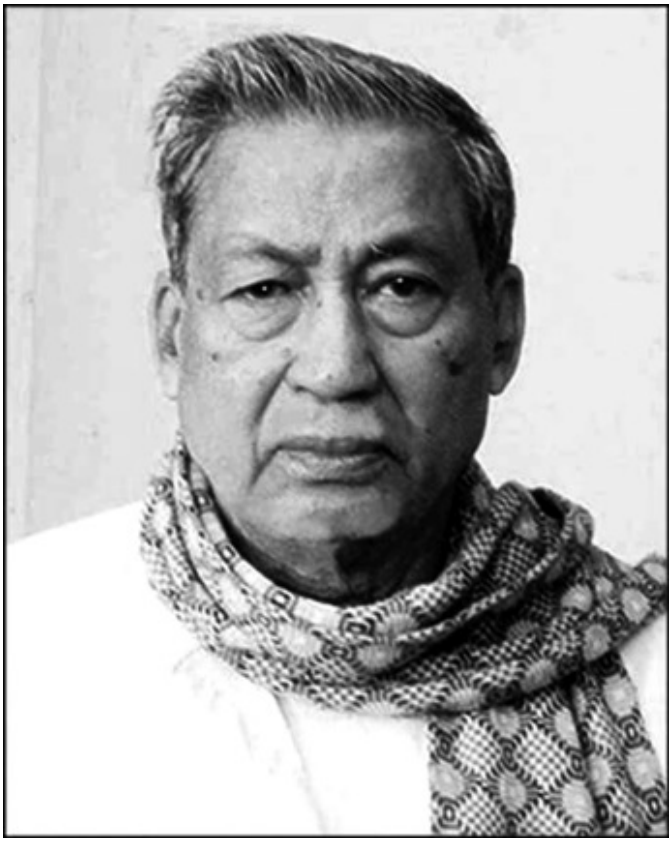

एसयूसीआई(कम्युनिस्ट) की केन्द्रीय कमेटी के सदस्य, दक्षिण 24 परगना जिला कमेटी के सचिव, पश्चिम बंगाल के वामपंथी आन्दोलन और कृषक व खेतमजदूर आन्दोलन के जनप्रिय नेता कॉमरेड याकूब पैलान ने लम्बी बीमारी के बाद डॉक्टरों के तमाम प्रयासों के विफल करते हुए 14 जून 2014 को सुबह 5 बज कर 1 मिनट पर कलकत्ता हार्ट क्लीनिक एण्ड हॉस्पिटल में अन्तिम सांस ली। कॉमरेड पैलान 86 वर्ष के थे।

1948 में पार्टी स्थापना के बाद ही 1949 में कॉमरेड याकूब पैलान एसयूसीआई(कम्युनिस्ट) की केन्द्रीय कमेटी के सदस्य दिवंगत कॉमरेड सचिन बैनर्जी और कॉमरेड सुबोध बैनर्जी के सम्पर्क में आकर मार्क्सवाद-लेनिनवाद एवं इस युग के अन्यतम श्रेष्ठ मार्क्सवादी दार्शनिक और चिन्तकार कॉमरेड शिवदास घोष के चिन्तन के प्रति आकर्षित हो कर एसयूसीआई (कम्युनिस्ट) पार्टी के साथ जुड़े थे और एक असल कम्युनिस्ट के रूप में खुद को उन्नत करने के कठिन और कष्टसाध्य संघर्ष में खुद को संलग्न किया था। घोर गरीबी के साथ उनको संघर्ष करना पड़ा था जिसके चलते औपचारिक शिक्षा का अवसर उन्हें नहीं मिला था। लेकिन पार्टी के साथ जुड़ने के बाद क्रान्तिकारी के रूप में खुद को विकसित करने के उद्देश्य से कठिन स्वाध्याय के जरिए उन्होंने क्रान्तिकारी सिद्धान्त को हासिल करने का संघर्ष शुरू किया था। इसके परिणामस्वरूप उन्होंने आम गरीब मेहनतकश लोगों को ही नहीं बल्कि उच्च शिक्षा प्राप्त लोगों को भी आकर्षित किया था। इनमें से कई पार्टी के कार्यकर्ता संगठक नेता के रूप में उभरे हैं। कॉमरेड याकूब पैलान क्रान्तिकारी जीवन के सतत और समझौताहीन संघर्ष के माध्यम से पार्टी की दक्षिण 24 परगना जिला कमेटी के सचिव, पश्चिम बंगाल राज्य कमेटी के सचिव मण्डल सदस्य निर्वाचित हुए थे। 1988 में प्रथम पार्टी कांग्रेस में उन्होंने पार्टी के स्टाफ सदस्य का दर्जा हासिल किया और कण्ट्रोल कमीशन के सदस्य चुने गए थे। 2009 में द्वितीय पार्टी कांग्रेस में वे पार्टी की केन्द्रीय कमेटी के सदस्य और पुनः कण्ट्रोल कमीशन के सदस्य चुने गए थे।

सुन्दरवन क्षेत्र के दूर दराज के गाँवों में गरीब मेहनतकश आम लोगों और कृषक व खेत मजदूरों के आन्दोलन के वे अगली कतार के नेता थे। गरीब मेहनतकश आम लोगों को संगठित करके असंख्य आन्दोलन उन्होंने संगठित किए थे और नेतृत्व प्रदान किया था। मणि नदी के तट पर भेड़ी-विरोधी आन्दोलन के वे अन्यतम नेता थे। 50 के दशक के शुरू में दक्षिण 24 परगना जिले के बटाईदार किसानों की फसल के न्यायसंगत अधिकार

(शेष पृष्ठ 4 पर)

बदायूँ काण्ड के विरोध में देशभर में रोष प्रदर्शन

पटना

लखनऊ

कोलकाता

पटना, 9 जून। उन्नत नीति-नैतिकता पर आधारित सामाजिक-सांस्कृतिक आंदोलन तेज करके ही महिलाओं पर बढ़ते अपराधों को रोका जा सकता है। इसी आंदोलन को विकसित करते हुए अश्लीलता, नग्नता, नशाखोरी को रोका जा सकता है जो समाज को गर्त में धकेलने और महिलाओं पर अमानुषिक अत्याचार बढ़ाने में मददगार है। लेकिन हमारे देश और विभिन्न राज्यों की सरकारें ऐसा कदम नहीं उठाती हैं। सरकारें अश्लील सिनेमा-साहित्य और गंदे गाने, अश्लील विज्ञापनों को खूब बढ़ावा दे रही हैं। बदायूं, मुजफ्फरनगर सहित देश के विभिन्न हिस्सों में रेप, गैंगरेप की बर्बर घटनाएँ इसी का परिणाम हैं। यह यू पी सरकार सहित संपूर्ण राष्ट्र के लिए शर्म की बात है।

उक्त बातें ऑल इंडिया महिला सांस्कृतिक संगठन (एआईएमएसएस), ऑल इंडिया डेमोक्रेटिक यूथ ऑर्गेनाइजेशन(एआईडीवाईओ) व ऑल इंडिया डेमोक्रेटिक स्टुडेंट्स ऑर्गेनाइजेशन(एआईडीएसओ) के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित विरोध सभा में श्री अरविंद महिला कॉलेज की सेवानिवृत प्राध्यापक डॉ. चित्रा वैश्य ने कही।

इसके पूर्व एक विरोध मार्च निकाला गया जो नेताजी सुभाषचंद्र बोस की मूर्ति के नजदीक से निकलकर शहीद-ए-आजम भगत सिंह चौक पर पहुँचकर सभा में तब्दील हो गया। सभा का संचालन ए आई एम एस एस की पटना जिला संयोजक अनामिका ने किया। सभा को संबोधित करने वालों में ए आई डी एस ओ के जिला सचिव सरोज कुमार सुमन, ए आई डी वाई ओ के अनिल कुमार चाँद के अलावे निकोलाई शर्मा, सुमनलता मौर्या, संध्या महतो, बीजवंता देवी, सीमा देवी, लीलावती देवी आदि प्रमुख थे। वक्ताओं ने बदायूं, मुजफ्फरनगर में गैंगरेप के अपराधियों को उदाहरणमूलक सजा देने, अश्लील सिनेमा-साहित्य-विज्ञापनों, शराबखोरी-नशाखोरी पर रोक लगाने की मांग की।

इलाहाबाद (यू.पी.): 29 जून को ऑल इण्डिया एमएसएस की इलाहाबाद की जिला इकाई के सदस्यों ने अल्लापुर मुहल्ले में बदायूँ गैंगरेप काण्ड के विरोध में एक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में सदस्यों ने इस घटना में पुलिस-प्रशासन और राजनेताओं की भूमिका की निन्दा करते हुए कहा कि रेप के बाद महिलाओं के साथ क्रूरता की सारी सीमाएं लांघ दी गई। यह घटना समाज में तेजी से बढ़ रही पाश्विक प्रवृत्ति की परिचायक है। यह आज हम सबके लिए सचमुच बहुत ही चिंता का विषय है।

बैठक में महिलाओं पर बढ़ते अत्याचार के खिलाफ अधिक से अधिक आन्दोलन संगठित करने की जरूरत पर बल दिया तथा मुख्यमंत्री को फैक्स करके अपने रोष से अवगत कराया। बैठक में ज्ञानशीला शर्मा, संध्या, रेनू, उर्मिला शर्मा, रमा, शारदा देवी आदि ने भाग लिया।

5 जून को बदायूँ रेप काण्ड और उसके बाद अबाध गति से घटित हो रही बलात्कार की वारदातों के खिलाफ जिलाधिकारी कार्यालय पर संगठन के द्वारा एक विरोध प्रदर्शन आयोजित किया गया। प्रदर्शन स्थल पर हुई सभा को सम्बोधित करते हुए एआईएमएसएस की राज्य संयोजिका रश्मि मालवीय ने कहा कि बदायूँ काण्ड के बाद जिस प्रकार लगातार एक के बाद एक निर्मम बलात्कार की घटनाएं सामने आ रही हैं उनसे यह स्पष्ट है कि सूबे में एकदम जंगल राज की स्थिति है। प्रदेश सरकार महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराधों को रोकने में तथा महिलाओं को सुरक्षा दे पाने में एकदम नाकाम रही है। महिलाओं को अपनी सुरक्षा के लिए एकजुट हो कर एक शक्तिशाली आन्दोलन का निर्माण करना होगा। सभा में विनोद सिंह यादव (एआईडीएसओ), विजय शंकर (एआईडीवाईओ), लता शर्मा (एआईएमएसएस) आदि ने भी अपना वक्तव्य रखा। संचालन सुमन शुक्ला ने किया।

गुना (म.प्र.) : ऑल इण्डिया महिला सांस्कृतिक संगठन (एआईएमएसएस) गुना इकाई के द्वारा म.प्र., उ. प्र., एवं पूरे देश भर में महिलाओं एवं बच्चियों के साथ हो रहे रेप और गैंगरेप के विरोध में स्थानीय लक्ष्मीगंज में रोष प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शन को संगठन की जिला अध्यक्ष संगीता आर.बी. ने सम्बोधित करते हुए कहा कि पूरे देश में इंसानियत को शर्मसार करने वाली इन घटनाओं के लिए सरकार की उदासीनता, निष्क्रियता जिम्मेदार है साथ ही अश्लीलता, अपसंस्कृति को बढ़ाने वाले प्रचार माध्यम जिन पर सख्ती से रोक नहीं लगाई जा रही है। संगठन की जिला सचिव विधि श्रीवास्तव ने कहा कि नशाखोरी इस तरह की घटनाओं के लिए जिम्मेदार है क्योंकि शराब, स्मैक, चरस, गांजा का व्यापार इन तथाकथित देश हितैषी सरकारों की नाक के नीचे फल-फूल रहा है। संगठन की जिला उपाध्यक्ष एडवोकेट सीमा राय ने कहा कि इन कुकृत्यों को अंजाम देने वाले गुण्डा तत्वों को राजनेताओं का संरक्षण प्राप्त है। इस सब का खामियाजा पूरी नारी जाति को भुगतना पड़ रहा है। संगठन सभी घटनाओं के लिए जिम्मेदार लोगों को कड़ी और शीघ्र सजा की मांग की है। प्रदर्शन में बड़ी संख्या में महिलाएं शामिल हुई।

बदायूँ काण्ड के खिलाफ गुना में विरोध प्रदर्शन करते हुए एमएसएस कार्यकर्ता

बदायूँ काण्ड के खिलाफ सिंहभूम जिला झारखण्ड में विरोध प्रदर्शन करते हुए एमएसएस कार्यकर्ता

बदायूँ में दुष्कर्म की शिकार...

(पृष्ठ 1 का शेष)

मृतक बालिकाओं के माता-पिता भाई बहन सहित परिवार के अन्य सदस्य मौजूद रहे। पीड़ित परिवार ने प्रतिनिधिमण्डल को पूरी बातें विस्तार से बताई। निहायत गरीब परिवार ने पुलिस की लापरवाही को उजागर किया। भयभीत परिवार ने अपनी सुरक्षा का मुद्दा भी उठाया। प्रतिनिधिमण्डल ने पीड़ित परिवार को आश्वासन दिया कि संकट की इस घड़ी में संगठन उनके साथ है। इसके पश्चात प्रतिनिधिमण्डल ने घटना स्थल का मुआयना किया और आम के उन पेड़ों को देखा जहाँ दोनों बहनों को फांसी पर लटका कर मारा गया। यहाँ मौजूद पुलिस के उच्च अधिकारियों से भी संगठन के नेताओं ने घटना के संबंध में गम्भीर वार्तालाप किया। इसके पश्चात गांव के युवाओं की मदद से गांव के चौराहा मन्दिर (धर्मशाला) परिसर में एक शोक सभा की। भारी पुलिस बल के बीच हुई सभा को सम्बोधित करते हुए संगठन के प्रदेश अध्यक्ष कॉ. हरकिशोर सिंह ने कहा कि दो युवा बहनों की हत्या प्रशासन, खास कर पुलिस प्रशासन की लापरवाही का नतीजा है। समय रहते यदि कदम उठाया जाता तो स्थिति और ही होती। उन्होंने कहा कि पुलिस-प्रशासन ने दो युवा बहनों की हत्या के कोई साक्ष्य एकत्र नहीं किए उल्टे मामले को रफा-दफा करने का प्रयास किया। उन्होंने ऐलान किया कि संगठन पीड़ितों के साथ है और मांग की कि मुल्जिम चाहे कोई भी हों जरूर पकड़े जाएं और बच्चों व महिलाओं पर हो रहे अपराधों पर रोक लगाई जाए। सभा को कमलेश चहल, ऋतु चौधरी (एआईडीएसओ) मौ. गौरी (एआईडीवाईओ), मुनीश त्यागी ने सम्बोधित किया। सभा को सुनने के लिए भारी तादाद में लोग इकट्ठा हो गए और मकानों की छतों पर भी चिलचिलाती धूप में लोग सभा को सुनते देखे गए। इसके पश्चात शासन ने त्वरित कार्यवाई करते हुए भवदीय एसएसपी को निलम्बित कर दिया तथा डीएम को हटा दिया गया।

शोक सभा को संबोधित करते हुए कॉ. ऋतु चौधरी

सामूहिक दुष्कर्म की घटनाओं के विरोध में प्रदर्शन

कांडवा व मिंड जिले में हुए सामूहिक दुष्कर्म की घटनाओं के विरोध में ध्यानचंद पुल पर प्रदर्शन करतीं एआईएमएसएस की महिला पदाधिकारी व कार्यकर्ता।

ग्वालियर (म.प्र.)

चार वर्षीय स्नातक कोर्स के विरोध में छात्र प्रदर्शन

दिल्ली विश्वविद्यालय में चार वर्षीय डिग्री कोर्स के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए छात्र

दिल्ली : 13 जून चार साल के डिग्री कोर्स के खिलाफ ऑल इण्डिया डी.एस.ओ. की दिल्ली विश्वविद्यालय कमेटी की ओर से एक विरोध प्रदर्शन आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत दिल्ली विश्वविद्यालय मैट्रो स्टेशन प्रांगण में आन्दोलन और मांगों की प्रदर्शनी के साथ हुई। प्रदर्शन नार्थ कैम्पस के खालसा कॉलेज से होते हुए दौलत राम कॉलेज पहुँचा जहां यह एक सभा में तब्दील हो गया। सभा को संगठन के कॉ. रवि कुमार, कल्पना, दिल्ली विश्वविद्यालय कमेटी के सचिव कॉ. मौ. आसिफ व दिल्ली राज्य सचिव और कार्यक्रम के मुख्य वक्ता कॉ. प्रशांत कुमार ने सम्बोधित किया। उन्होंने कहा कि यह कोई अलग-थलग नीति नहीं है बल्कि सरकार की निजीकरण की नीति का ही एक हिस्सा है। यदि हमें चार-साला स्नातक के खिलाफ लड़ना है तो हमें निजीकरण-व्यापारीकरण की नीति के खिलाफ लड़ना होगा। सभा को अन्य वक्ताओं के रूप में दिल्ली राज्य कमेटी सदस्य कॉ. कृष्णेन्दु मुखर्जी, दिल्ली विश्वविद्यालय कमेटी सदस्या कॉ. मौसम कुमारी, जाकिर हुसैन दिल्ली कॉलेज से भूपेन्दर आदि ने सम्बोधित किया। कार्यक्रम का संचालन दिल्ली विश्वविद्यालय कमेटी के अध्यक्ष कॉ. राहुल सरकार ने किया। अन्त में जोरदार नारों के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया।

शास्त्री भवन (नई दिल्ली): 16 जून को जहाँ एक तरफ दिल्ली विश्वविद्यालय में प्री-एडमिशन फार्म भरने का आखरी दिन था वहीं 'सेव डी.यू.' के सांझा बैनर तले विभिन्न छात्र-शिक्षक संगठनों ने मिलकर मानव संसाधन विकास मंत्रालय के समक्ष एक विरोध प्रदर्शन का आयोजन किया और ज्ञापन सौंपा। यह धरना प्रदर्शन दिल्ली विश्वविद्यालय में पिछले साल लागू किए गए चार-साला स्नातक डिग्री कोर्स के खिलाफ किया गया था। इससे पहले 30 मई को इसी प्रकार का एक धरना 'सेव डी.यू.' की ओर से किया गया था जिसमें मानव संसाधन विकास मंत्री श्रीमती स्मृति इरानी ने वादा किया था कि वे इस मामले की तह तक जाकर छानबीन करेंगी और एफ.वाई.यू.पी. (चार साल डिग्री कार्यक्रम) को वापस कराएंगी। इस वादे को पूरा करना इस धरने की मूल मांग थी। ऑल इण्डिया डी.एस.ओ. की दिल्ली राज्य कमेटी ने भी इस कार्यक्रम में शिरकत की।

विभिन्न छात्र-शिक्षक संगठनों के प्रतिनिधियों के अलावा ऑल इण्डिया डी.एस.ओ. की ओर से दिल्ली राज्य कोषाध्यक्ष कॉ. मो. आसिफ व दिल्ली राज्य कार्यालय सचिव कॉ. राहुल सरकार ने उपस्थित छात्र-छात्राओं को सम्बोधित किया।

एक प्रतिनिधि मण्डल ने मानव संसाधन विकास मंत्रालय को एक ज्ञापन सौंपा और दिल्ली यूनिवर्सिटी में दाखिला प्रक्रिया शुरू होने से पहले एफ.वाई.यू.पी. को वापस लेने की मांग की। एआईडीएसओ की ओर से दिल्ली राज्य सचिव कॉ. प्रशांत कुमार ने प्रतिनिधि मण्डल में हिस्सा लिया।

दुर्ग (छ.गढ़): चार-वर्षीय स्नातक कोर्स, सेमेस्टर प्रणाली को हटाने, शिक्षा के सभी क्षेत्रों में बेतहाशा फीस वृद्धि वापस लेने, कॉलेजों को विश्वविद्यालय में परिवर्तित करने की नीति रद्द करने, शिक्षा में निजीकरण-व्यापारीकरण रद्द करने, पर्याप्त अनुदान देने, पर्याप्त संख्या में शिक्षकों मुहैया कराने आदि मांगों को लेकर 3 जून को एआईडीएसओ की राज्य समिति के द्वारा कचहरी चौक दुर्ग में प्रदर्शन किया गया। संगठन की ओर से माननीय कलेक्टर महोदया को माननीय मानव संसाधन विकास मंत्री, भारत सरकार नई दिल्ली, माननीय राज्यपाल महोदय, रायपुर छ.ग., माननीय मुख्यमंत्री रायपुर, छ.ग., माननीय कुलपति पं. रविशंकर वि.वि. रायपुर, माननीय उच्च शिक्षा सचिव, रायपुर छ.ग. माननीय उच्च शिक्षा मंत्री रायपुर छ.ग. के नाम ज्ञापन सौंपा गया।

दुर्ग में चार वर्षीय डिग्री कोर्स के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए छात्र

शिवपारा दुर्ग की समस्याओं को लेकर जिला कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

दुर्ग (छ.गढ़): 2 जून को एसयूसीआई (कम्युनिस्ट) जिला समिति दुर्ग के द्वारा शिवपारा दुर्ग की समस्याओं को लेकर जिला कलेक्टर, दुर्ग को ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में मांग की गई कि शौचालय के सैप्टिक टैंक की तत्काल सफाई कराई जाए, शौचालय के कमरों के दरवाजे यथाशीघ्र लगाये जाएं, सार्वजनिक शौचालय का पुनर्निर्माण व पानी की व्यवस्था तत्काल की जाए, नलों में तत्काल पर्याप्त साफ पानी दिया जाए, तालाब व नालियों की तत्काल सफाई की जाए व नलों को नालियों से तत्काल अलग किया जाए।

बिजली बिलों में धांधली एवं मनमानी गलत वसूली के खिलाफ एसयूसीआई(सी) ने जताया रोष

ग्वालियर (म.प्र.) : ग्वालियर में बिजली बिलों में हो रही धांधली एवं मनमानी गलत वसूली के खिलाफ एसयूसीआई(कम्युनिस्ट) पार्टी की ओर से 3 जून को मुख्य बिजली कार्यालय के सामने रोष प्रदर्शन किया गया और महाप्रबंधक को ज्ञापन सौंपा गया। इस अवसर पर वहां उपस्थित जनसमूह को पार्टी के प्रभारी कॉमरेड सुनील गोपाल, रचना अग्रवाल, रूपेश जैन ने सम्बोधित किया।

गुजरात में भयंकर गर्मी

अहमदाबाद में राहगीरों को पिलायी शिकंजी व छाछ

गर्मियों के इस मौसम में गुजरात गर्म हवाओं की चपेट में है। लू लगने से कई लोगों के मरने की खबर है। एसयूसीआई (सी) गुजरात राज्य सांगठनिक कमेटी की ओर से गुजरात के स्वास्थ्य मंत्री व अहमदाबाद नगर निगम के आयुक्त को ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में मांग की गई कि लोगों को लू से बचाने के लिए आवश्यक कदम उठाएं जाए और लू लगने से होने वाली मौतों और बीमारी की रोकथाम की जाए।

छात्र संगठन ऑल इण्डिया डीएसओ और युवा संगठन ऑल इण्डिया डीवाईओ ने विभिन्न दान-दाताओं से धन संग्रह करने और लू से बचाव के लिए राहगीरों को शीतल जल और लस्सी पिलाने की पहलकदमी की गई। 5 जून को इन्कम टैक्स सर्कल पर और 6 जून को नटराज बस स्टॉप, आश्रम रोड, अहमदाबाद में शीतल जल पिलाने का कार्यक्रम लिया गया। स्वयंसेवक आने जाने वाले लोगों, रिक्शा व ठेला चालकों, साईकिल सवारों, मालवाहक गाड़ी या रेहड़ी चालकों के हाथों में शिकंजी व छाछ का गिलास थमा देते थे ताकि उन्हें गर्मी से कुछ राहत मिल सके। इस अभियान का नेतृत्व ऑल इण्डिया डीवाईओ के राज्य सचिव कॉ. जयेश पटेल ने किया। इस कदम का स्वागत करते हुए अहमदाबाद स्वीमिंग क्लब के कुछ वरिष्ठ नागरिक भी स्वयंसेवकों में शामिल हुए।

निगम पार्षद को सौंपा ज्ञापन

दिल्ली : एसयूसीआई (कम्युनिस्ट) की केन्द्रीय दिल्ली इकाई की ओर से 14 जून को किशनगंज इलाके में एक प्रदर्शन का आयोजन किया गया। इलाके में सरकारी मकानों के रख रखाव की समस्या, गंदे पानी की समस्या तथा इलाके की अन्य मांगों को लेकर इलाके के निगम पार्षद को एक ज्ञापन भी सौंपा गया। समस्या की गंभीरता को समझते हुए उन्होंने तुरन्त काम शुरू करवाने का आश्वासन दिया। इलाके में शराबखोरी की बढ़ती समस्या के खिलाफ सराय रोहिल्ला के सहायक पुलिस आयुक्त को भी एक ज्ञापन सौंपा गया। प्रदर्शन में इलाके की महिलाओं ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। प्रदर्शन का नेतृत्व पार्टी की स्थानीय सचिव कॉ. रितु कौशिक ने किया।

R.N.I. No.- 43022/85
P.R.No.-DL(C)-01/1123/2012-2014
Posting at IPMBC on 7-8 and 22-23 Fortnightly, Date of Printing : 20 June, 2014

कॉमरेड याकूब पैलान लाल सलाम!!!

(पृष्ठ 1 का शेष)

की रक्षार्थ हुए ऐतिहासिक ते-भागा आन्दोलन में वे अन्यतम बलिष्ठ नेता थे। पश्चिम बंगाल के कृषक व खेतमजदूर आन्दोलन में वे अति जनप्रिय नेता थे। 'अखिल भारतीय कृषक व खेतमजदूर संगठन' के वे पहले सचिव के रूप में निर्वाचित हुए थे। वे गरीब आम लोगों के लिए जिस तरह अति प्रिय थे, उसी तरह निहित स्वार्थियों के लिए वे घोर शत्रु थे। इसी वजह से निहित स्वार्थियों ने उन पर बार-बार हमला किया था। वृद्धावस्था में भी वे इन हमलों का शिकार हुए थे।

कॉमरेड याकूब पैलान अत्यन्त स्नेहशील थे। गरीब लोगो को वे दिल की गहराइयों से प्यार करते थे। गरीब लोगों के प्रति इस प्यार को महान नेता कॉमरेड शिवदास घोष की शिक्षा पर निरन्तर अमल के माध्यम से एक उन्नत स्तर के क्रान्तिकारी नेता के रूप में पार्टी कार्यकर्ता-समर्थक-हमदर्दों और आम लोगों के हृदय में उन्होंने जगह बना ली थी। जनता के बीच में ही वे जीवन बिताते थे। उनका व्यक्तिगत कहने के लिए कुछ नहीं था। पार्टी आफिस और सेण्टर जीवन में ही मृत्यु के अन्तिम दिन तक उन्होंने जीवन बिताया था।

उनकी मृत्यु से पार्टी ने उन्नत स्तर के आजीवन क्रान्तिकारी एक कम्युनिस्ट नेता को खो दिया व जनआन्दोलन, क्रान्तिकारी आन्दोलन, किसान आन्दोलन की भारी क्षति हुई है।

सम्भल की नेकपुर न्याय पंचायत को अमरोहा जिले में शामिल करने की मांग पर

डीवाईओ ने किया प्रदर्शन

अमरोहा (उ.प्र.): सम्भल जिले की नेकपुर न्याय पंचायत को अमरोहा जिले में शामिल करने की मांग को लेकर मण्डल आयुक्त कार्यालय, मुरादाबाद मण्डल, मुरादाबाद के सामने 6 जून को ऑल इण्डिया डीवाईओ की अमरोहा जिला इकाई ने प्रदेश उपाध्यक्ष कॉ. राजेन्द्र सिंह एडवोकेट के नेतृत्व में जोरदार प्रदर्शन किया और अपनी मांगों का एक ज्ञापन मण्डल आयुक्त को दिया। वहां हुई सभा का संचालन कॉ. गम्भीर सिंह ने किया। संगठन के सैकड़ों कार्यकर्ता अपने झण्डे-बैनर व मांग लिखी तख्ती लेकर कमिश्नर कार्यालय पर सुबह इकट्ठा हुए और नारे लगाते हुए जोरदार प्रदर्शन किया और धरना दिया। वक्ताओं ने कहा कि अमरोहा मुख्यालय मात्र 10 किलोमीटर दूर है जबकि सम्भल जिला मुख्यालय 75 किलोमीटर और आनेजाने की भी कोई सुविधा नहीं है। इससे काफी समस्या पैदा हो रही है। क्षेत्र के नागरिक चाहते हैं कि उनकी सुविधा को ध्यान में रखते हुए नेकपुर न्याय पंचायत को अमरोहा जिले में शामिल किया जाए। यदि ऐसा नहीं होता है तो आन्दोलन तेज किया जाएगा।

प्रदर्शनकारियों को एआईडीवाईओ के प्रदेश अध्यक्ष कॉ. हरकिशोर सिंह, मुरादाबाद जिला सचिव मौ. गौरी, जिलाध्यक्ष विनोद विग, एआईडीएसओ की मुरादाबाद जिला अध्यक्ष कॉ. ऋतु चौधरी, कमलेश चाहल, नासिर हुसैन आदि ने सम्बोधित किया। इसी मांग को लेकर 21 जुलाई को कमिश्नर कार्यालय पर संगठन विशाल रैली करेगा।

पेट्रोल-डीजल कीमतों पर अतिरिक्त सैस लगाने के कदम का

एसयूसीआई(सी) ने किया जोरदार विरोध

एसयूसीआई(कम्युनिस्ट) के महासचिव कॉमरेड प्रभाष घोष ने 15 जून को प्रैस में जारी बयान में कहा:

यह बहुत ही बेतुका है कि भारी मुनाफा कमाने वाली तेल रिफाइनियरों के प्लाण्टों के उन्नयन के वित्तपोषण की खातिर, बीजेपी द्वारा सत्तासीन होने के चन्द दिनों के अन्दर ही पेट्रोल और डीजल दोनों की कीमतों पर 75 पैसे प्रति लीटर का सीधा-सीधा सैस थोप देने का कदम उठाया गया है। अन्तर्राष्ट्रीय कच्चे तेल के बाजार में उछाल और भीमकाय तेल कम्पनियों को तथाकथित 'अण्डर रिकवरी' की भरपाई के कपटपूर्ण बहाने की आड़ में, पहले ही पेट्रोल-डीजल के दाम नियमित रूप से बढ़ाये जा रहे हैं। इससे भी बढ़ कर है कि यदि ऐसा सैस थोपा जाता है तो यह पहले से ही आकाशछूती महंगाई को और भी बढ़ाएगा जिसके चलते निरन्तर पूँजीवादी आर्थिक हमलों द्वारा जिनकी कमर तोड़ दी गई है उन आम लोगों का जीना और भी दुश्वार हो जाएगा।

इस नितांत दुष्टतापूर्ण प्रस्ताव का हम जोरदार विरोध करते हैं और सरकार से मांग करते हैं कि इसे तुरन्त वापस लिया जाए।

केन्द्रीय वित्तमंत्री के साथ मीटिंग

प्रतिरक्षा व दूसरे क्षेत्रों में एफडीआई का एआईयूटीयूसी ने किया विरोध

बजट पूर्व चर्चा के लिए संसद भवन के नार्थ ब्लाक में, 6 जून को केन्द्रीय वित्तमंत्री के साथ केंद्रीय ट्रेड यूनियनों की मीटिंग में अन्यान्य ट्रेड यूनियनों के साथ एआईयूटीयूसी ने भी हिस्सा लिया। शुरूआत में वित्तमंत्री को केन्द्रीय ट्रेड यूनियनों की तरफ से सुझाव बजट में शामिल करने के लिए एक मांग पत्र सौंपा गया।

एआईयूटीयूसी के महासचिव कॉमरेड शंकर साहा ने केन्द्रीय ट्रेड यूनियनों की तरफ से दिए गए संयुक्त मांगपत्र का समर्थन करते हुए केन्द्रीय वित्त मंत्री अरूण जेटली से कहा कि किसी भी आर्थिक क्षेत्र में हम एफडीआई का पूरी तरह विरोध करते है। प्रतिरक्षा उत्पादन के मद में 100 प्रतिशत एफडीआई का जो प्रस्ताव सरकार ला रही है, जैसी कि खबर आई है, इसका हम पूरी तरह विरोध करते हैं। 2001 में तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने प्रतिरक्षा क्षेत्र के निजीकरण और एफडीआई चालू करने का जो प्रयास शुरू किया था, बाद में कांग्रेस सरकार ने उसी प्रस्ताव को क्रियांन्वित करने के रास्ते पर आगे बढ़ाया था। यह प्रस्ताव क्रियान्वित किया गया तो देश की सुरक्षा खतरे में पड़ जाएगी। विदेशी शक्तियों के सामने देश के तमाम महत्वपूर्ण सामरिक कौशल को उजागर कर देना होगा।

बीजेपी सरकार संवाद माध्यमों में 100 प्रतिशत एफडीआई का जो प्रस्ताव दे रही है, हमारा मानना है कि इससे संवाद माध्यमों और संवादिकता की गुणवत्ता बढ़ने का सवाल ही नहीं पैदा होता है। बल्कि यह कदम संवाद माध्यमों की स्वतंत्रता को ही खतरे में डाल देगा। देश के सांस्कृतिक परिवेश को दूषित करेगा और संवाद माध्यम पूरी तरह बहुराष्ट्रीय एकाधिकारी पूँजी के कब्जे में चले जाएंगे।

महंगाई रोकने की मांग करते हुए उन्होंने कहा कि बहुत दिनों से एआईयूटीयूसी द्वारा यह मांग निरन्तर उठाई जा रही है कि तमाम आवश्यक वस्तुओं का व्यापार सरकार अपने हाथ में ले लेकिन कोई भी सरकार यह मांग मानने के लिए तैयार नहीं हुई। उन्होंने तुरन्त आवश्यक वस्तुओं का व्यापार सरकार द्वारा अपने हाथ में लेने की मांग उठाई।

कॉमरेड शंकर साहा ने राष्ट्रीय रोजगार नीति घोषित करने की मांग उठाई। उन्होंने इस नीति के तहत अबाध रोजगार पैदा करने, श्रमबहुल उद्योगों के विस्तार और कर्मचारियों की नौकरी की सुरक्षा आदि को सुनिश्चित करने की मांग की। बेरोजगारी और नौकरी से छंटनी को रोकने के लिए सुनिश्चित योजना बनाने की मांग उन्होंने उठाई। साथ ही साथ उन्होंने सरकारी क्षेत्र के संकोचन और सार्वजनिक संस्थानों के 'डाऊनसाइजिंग' को बन्द करने की मांग उठाई। ईपीएफ (एम्पलाइज प्रोविडेण्ट फण्ड) अंशदाताओं को न्यूनतम 3000 रुपये पेन्शन की जो मांग संयुक्त मांग पत्र में उठाई गई है कॉमरेड शंकर साहा ने उसे पुनः दोहराते हुए कहा कि पूर्ववर्ती यूपीए सरकार ने न्यूनतम पेंशन एवं 10 कर्मचारियों वाले संस्थानों में पेन्शन लागू करने का जो वायदा किया था वह पूरा नहीं किया गया। उन्होंने तुरन्त यह मांग मान लेने के लिए वित्तमंत्री को कहा।

केन्द्रीय वित्तमंत्री के साथ बैठक में एआईयूटीयूसी के अलावा सीटू, एटक, बीएमएस, इंटक, टीयूसीसी, यूटीयूसी, एआईसीसीटीयू आदि के नेतागण शामिल थे।

टोल टैक्स के खिलाफ धरना प्रदर्शन

रिवाड़ी (हरियाणा): 1 जून को टोल टैक्स-विरोधी कमेटी रिवाड़ी द्वारा गंगायचा टोल प्लाजा पर धरना-प्रदर्शन किया गया। सैकड़ों लोगों ने 'लूट का अड्डा, टोल प्लाजा बन्द करो', 'भेदभाव बन्द करो', 'प्लाजा के नाम से अधिग्रहित की गई उपजाऊ जमीन किसानों को वापिस दो' आदि गगनभेदी नारे लगाए। कार्यक्रम की अध्यक्षता मास्टर जयनारायण ने की एवं संचालन टोल टैक्स-विरोधी कमेटी के प्रवक्ता कॉ. राजेन्द्र सिंह ने किया। प्रदर्शनकारियों को कृष्ण कुमार पूर्व सरपंच, मा. दुर्गाप्रसाद, सतीश पहलवान बार एसोसिएशन रिवाड़ी एवं कोसली के प्रधान रवीन्द्र कुमार, दुष्यन्त विजय सोमाणी, अनिल यादव पाल्हावास, अजय यादव एडवोकेट, किसान रामदुलार बलराम, धर्मपाल, प्रो. अमित, टोल हटाओ संघर्ष समिति के प्रधान वीरेन्द्र हुड्डा, डॉ. अशोक दीक्षित, राजवीर किसान नेता, विजय पंच ने सम्बोधित किया।

सोशलिस्ट यूनिटी सेन्टर ऑफ इण्डिया (कम्युनिस्ट) की ओर से कॉ. सत्यवान द्वारा 3ए/38, डब्ल्यू.ई.ए., करोल बाग, नई दिल्ली-5 से संपादित व प्रकाशित तथा परम्परा प्रिंटिंग प्रेस, बी-70/83, इण्डस्ट्रियल एरिया, लॉरेंस रोड, दिल्ली-35 से मुद्रित, दूरभाष:011-25726631, Email: sarvaharadrishtikon@gmail.com; sarvaharadrishtikon@yahoo.com